

been pressing for the conversion of this line into a Broad Gauge line. But, due to the apathetic attitude of the Railway Board as well as the other authorities, this conversion has not taken place so far. It may be recalled that this line was established at the behest of the then Maharaja of Mayurbhanj, Shri Ram Chandra Deo, which was being managed by a company during the British days and, after Independence, this line was reduced from 166 kms. to 66 kms. Investigations now reveal that about two thousand passengers travel on this line daily and the income comes to about fifteen lakhs of rupees monthly and the income will further go up if the line is converted into a MG line. About five hundred persons employed in the different stations give service to the people.

Madam, the line passes through the forest and mine belts of the District, Mayurbhanj. The people of other two districts, Balasore and Keonjhar, would be benefited by this line. During the current year, the Railway Board has taken a decision to convert the NG lines into BG lines in different States. But I do not understand why the authorities are totally averse to the conversion of this line.

It is reported in a section of the Press that the Railway Ministry has ignored the just claims of the people of Orissa and has decided to close down the Rupsa-Bangriposi line. I, therefore, demand that the Railway Ministry should not take any action to close down this line and that they should take suitable action to convert this line into a broad-gauge line in order to give justice to the tribal people of Orissa. It is the demand of the people of Orissa. Thank you.

Need to reduce Air India fares for Haj Pilgrims

श्री मुहम्मद अमीन अंसारी (उत्तर प्रदेश) : मोहतरमा डिप्टी सेयरमैन साहिब! पिछले साल 23 हजार से ज्यादा लोग हिन्दुस्तान से हजकर यात्रा करने के लिए गए जिनमें से साढ़े चार हजार यात्री समद्री जहाज से और साढ़े अठ्ठारह हजार यात्री विमानों से गए। 10 हजार सऊदी एयरलाइंस से और एयर इंडिया से 13 हजार यात्रियों के लिए जहाज तक आमदोरपत का इन्तजाम मरक्की हज कमेटी बम्बई ने किया था। सब परवाजों का प्रोग्राम बहुत नाविस व बेतरतीब रहा। तबरीकन 5 हजार आजमीने हज को दिल्ली से परवाज कराना था। आमदोरपत दिल्ली जहा का किराया 8323 रु. लिया गया जो बहुत ज्यादा है। ये फजाई कम्पनियां तिजारती इदारे हैं। ये सेंट्रल हज कमेटी बम्बई को कमीशन देती है। सबूत के तौर पर कहा जाता है कि अगर खुले बाजार में कोई एकमुश्त 23 हजार टिकट खरीदे तो 8323 रु. से घटकर तबरीकन छः हजार रु. रह जाएगा। मैं बजारते खारजा से कहना चाहता हूँ कि अगर सेंट्रल हज कमेटी बम्बई ने 23 हजार टिकट खरीदे हैं तो उसको कितना कमीशन मिला है? इस मर्तबा जो कमीशन विमान कम्पनियों से तय हो वह रकम आजमीने हजाज के किराए से घटाकर डापट किराए का ले ताकि सीधे बेज रुपए का हज यात्रियों पर न पड़े।

महोदया, जी एयर इंडिया वा किराया बहुत ज्यादा है। भारत सरकार एयर इंडिया पर दबाव डाले और पूरी जिम्मेदारी ले कि वह नो प्राफिट नो लास बेसिस पर हज के नेक बाम के लिए परवाजों वा इंतजाम करे और जनवरी के दूसरे हफ्ते में तैयारी के प्रोग्रामो वा पहले से ऐलान करे।

महोदया: पिछले साल जार्डन की चार्टर कंपनी ने कलकत्ता-जुहा आर्मोरफत किराया छः हजार छः सौ रुपये लिया था। इसके मूलावले में एयर इंडिया का किराया 11 हजार ८० से ज्यादा था। इससे अंदाजा लगा सकते हैं कि कितना मुनाफा है सरासर लूट का धंधा बन गया

[श्री मोहम्मद अमीन अंसारी]

है। गल्फ के चार्टर विमानों का किराया बहुत कम है। उसी हिसाब से एयर इंडिया को किराया लेना चाहिए। सरकार गौर और फिफ्ट करे।

महोदया सैकल्युरिज्म की बुनियाद पर हमारी जम्हूरियत की जड़े मजबूत हैं। यही वजह है कि सरकार सरकार हो या रियासती सरकारें, हर सरकार धर्म मजहब वालों के धार्मिक मौकों पर राहत व इंतजाम के लिए करोड़ों रुपये खर्च करती हैं। हम भी इस्लाम मजहब के मानने वालों के फरायज में एक मुत-वरिक अहम फर्ज है। क्या सरकार इसमें हाथ बंटाएगी। उसे इसमें हिस्सा लेना चाहिए।

महोदया जी, पिछले साल आजमीन हुजाज को दिल्ली बंबई में जवरदस्त मुसीबतों, तकलीफों और बेइज्जती के अलावा हम जैसे मुतवरिक फरीज से महकूम रहना पड़ा। यह सारी जिम्मेदारी सरकार ही हम कमेटी खास तौर से दिल्ली व यू०पी० हम कमेटियों की नाअहली, कोताही, बदइंतजामी, जुल्म-ओ-सितम, व बद-उन्वानियों की चीखो पुकार चारों तरफ गूँजती रही। अखबारों में वाकयात तफसील से छपते रहे। मगर अफसोस है अभी तक दिल्ली और यू० पी० हम कमेटी बर्खास्त नहीं की गई जिससे सरकार की छवि धूमिल हो रही है। इन दोनों हम कमेटियों को फौरन बर्खास्त किया जाए, नई कमेटियां बनाई जाएं जिनमें तजुर्बेकार, दीनदार, मेहनती, वेलीस, ईसार कुरबानी का जज्बा रखने वाले लोग शामिल किए जाएं। जल्द से जल्द सरकार हम कमेटी बंबई को मय दफतर के दिल्ली मुतकिल किया जाए। इसका नाम सेंट्रल हम कमेटी दिल्ली रखा जाए। यह स्टेट हम कमेटियों की तरह बंबई हम कमेटी की हैसियत से महाराष्ट्र स्टेट हम कमेटियों व सिर्फ समुद्री जहाजों और बंबई से परवाज करने वाले तैयारों का इंतजाम सेंट्रल हम कमेटी दिल्ली के हिदायत पर अमल करें। स्टेट हम कमेटियां अपने कोटे के मुताबिक अपनी स्टेट में समुद्री जहाजों व विमानों का कोटा अंदाजी सरकार के प्रोग्रामों के मुताबिक करें। और उसकी तहरीरी इत्तिला सेंट्रल हम कमेटी

दिल्ली को भेजें ताकि आजमीन हुजाज को अपने जहाजों का प्रोग्राम पहले से मालूम हो सके।

आजमीन हुजाज की सहूलियत व भीड़भाड़ कम जहो, इसके लिए हवाई जहाजों का इंतजाम जहा के लिए बंबई, बंगलौर, मद्रास, श्रीनगर, दिल्ली, बलकत्ता वाराणसी या इलाहाबाद से किया जाए।

हिन्दुस्तान के हजाज काम को सन् 1988 के हज में एक नई दुश्वारी का सामना करना पड़ा। पिछले साल का तजुर्बा बड़ा ही तल्ख रहा। सऊदी अरब में मकान का किराया 750 रियाल लिया गया और उनको दूर दराज इलाकों में मकान दिया गया। और उनको दूर-दराज इलाकों में मकान दिया गया। जईफ मर्द व औरत हाजियों को बड़ी मुसीबत और दुश्वारियां उठानी पड़ीं। इस साल सऊदी हुकमत ने मकान का किराया कैटेगरी नम्बर वन मक्का मकरमा 1200 रियाल, मदीना मुनव्वरा 300 रियाल कैटेगरी नम्बर 2 मक्का मकरमा 1000 रियाल और मदीना मुनव्वरा 300 रियाल यानी 1500 से 1300 रियाल तकरीबन 5 से 6 हजार रुपया ज्यादा खर्च करना होगा। यह रुपया किराया ड्राफ्ट के साथ इतल ग ड्राफ्ट मिलाकर जमा करना होगा।

उपसभापति : आप जरा मुँहतर बोलिये।

श्री मोहम्मद अमीन अंसारी : काविले एतराम महोदया, सरकार सरकार को मेरा मशविरा है सऊदी हुकमत से राबता कायम करे और जोर दे कि हिन्दुस्तानी हाजियों से लाजिमी किराया मकान से मुस्तसना करे। वरना अन्देशा है कि हिन्दुस्तान के बहुत से हाजी हम जैसे मुकद्दस फरीज से महकूम रह जायेंगे।

आजमीने हम के लिए प्रधान मंत्री जनाब राजीव गांधी ने इस माल भी समुद्री जहाजों का इंतजाम करके अपने नेक जजबे की मिसाल कायम की। उनका अक्रिया और मुबारकवाद पेश करता हूँ।

مجھے پوری اُجھڑی ہے کہ سیک्यولرزم کے مٹھافیز प्रधान منتری جناب راجیو گاندھی پرવાजों के इनेजामान किराये की कमी सजदी में मकानात के किराये से मुस्तसना करने में मदद कमयिगे। उनकी तरफ हिन्दुस्तानी आजमीने हज्जाज की निगाहें लगी हुई हैं। मैं जानता हूं इज्जत-मुश्ताव मुहतरम शाह फहद साहब हुक्मरां सज्दी अरेबिया जनाब रजिब गान्धी का दिन से एहताराम करते हैं। खासतौर से हिन्दुस्तानी हाजियों से इनको लगाव है। बहुत-बहुत शुक्रिया आपका।

†[شری محمد امین انصاری
(اندر پردیہ): قابل احترام دینی
چہرمن صاحبہ پچھلے سال ۲۲ ہزار
لوگ ہندوستان سے حج کرنے گئے۔
سازے چار ہزار حج یاتری ساندری
جہاز اور سازے اٹھارہ ہزار مسانوں سے۔
پچھلے سال سعودی ایڈ لائزز سے دس
ہزار ایڈ انڈیا سے ۱۲ ہزار حج
یاتریوں کھلئے جدہ تک آمد و رفت
کا انتظام مرکزی حج کمیٹی بمبئی
نے کیا تھا۔ ان سب پروازوں کا
پروگرام بہت ناقص و بے ترتیب رہا۔
تقریباً پانچ ہزار عازمین حج کو
دہلی سے پرواز کرنا تھا۔ آمد و
رفت دہلی جدہ کا کرایہ ۸۳۲۳ روپیہ
لیا گیا جو بہت زیادہ ہے۔ یہ
فضائی کمپنیاں تجارتی ادارے ہیں۔
یہ سکنڈرل حج کمیٹی کر کمیشن
دیتی ہیں۔ ثبوت کے طور پر کہا
جاتا ہے کہ اگر کھلے بازار میں کوئی
یکمشت ۲۳ ہزار ٹکٹ خریدے تو
۸۳۲۳ روپیہ سے گھٹ کر تقریباً چار
ہزار روپیہ رہ جائے گا۔ میں وزارت

خارجہ سے کہنا چاہتا ہوں کہ
اگر سکنڈرل حج کمیٹی بمبئی نے
۲۳ ہزار ٹکٹ خرید کیا ہے تو اسکو
کھلا روپیہ کمیشن ملا ہے۔ اس
مرتبہ جو کمیشن ویمان کمپنیوں سے
طے ہو یہ رقم عازمین حج کے
کرایہ سے کھٹا کر قراٹ کرایہ کا لے۔
تاکہ سیدھے بوجہ روپیہ کا حج
یاتریوں پر نہ پڑے۔

مہودیہ جی - ایر انڈیا کا کرایہ
بہت زیادہ ہے۔ بھارت سوکار ایر انڈیا
جو دہلی قالے اور پوری ذمے داری دے
کہ وہ نو لوس - نو پروٹ یو حج
کے نیک کام کھلئے پروازوں کا انتظام
کرے۔ اور جنوری کے دوسرے ہفتہ
میں طیاروں کے پروگراموں کا پہلے
سے اعلان کرے۔
مہودیہ جی - پچھلے سال
جارتن کی چارٹر کمپنی نے کلکتہ
جدہ آمد و رفت کرایہ چھ ہزار
چھ سو روپیہ لیا تھا۔ اس کے مقابلہ
میں ایو انڈیا کا کرایہ ۱۱ ہزار روپیہ
سے زیادہ تھا۔ اس سے اندازہ لگا
سکتے ہیں کہ بڑا فرق ہے سراسر
لوٹ کا دھنڈہ بن گیا ہے۔ کلف کے
چارٹر ویمانوں کا کرایہ بہت کم ہے
اسی حساب سے ایر انڈیا کو کرایہ
لینا چاہئے۔ مرکزی سوکار غور و فکر
کرے۔

سیکولرزم کی بنیاد پر ہماری
جمہوریت کی جڑیں مضبوط ہیں

[شری محمد امین انصاری]

یہی وجہ ہے کہ مرکزی سرکار ہو یا ریاستی سرکاریں ہر دھرم مذہب کے ماننے والوں کے دھارمک موقعوں پر کروڑوں روپہہ خرچ کرنی ہیں۔ حج بھی اسلام دھرم کے ماننے والوں کے فرائض میں ایک متبرک اہم فرض ہے۔ کیا مرکزی سرکار اسمیں ہاتھ بٹائیگی۔ اسے اس میں حصہ لینا چاہئے۔

مہود یہ جی۔ پچھلے سال عازمین حجاج کو دہلی و بمبئی میں زبردست مصیبتوں تکلیفوں و بے عزتی کے علاوہ حج جیسے متبرک فریضے سے محروم رہنا پڑا۔ یہ ساری ذمہ داری مرکزی حج کمیٹی خاص طور سے یو۔ پی۔ و دہلی حج کمیٹیوں کی نااہل کوتاہی بدانتظامی۔ ظلم و ستم و بدعنوانیوں کی چھٹ و پکار چاروں طرف گونجتی رہی۔ اخباروں میں واقعات تفصیل سے چھپتے رہے۔ مگر افسوس ہے ابھی تک دہلی اور یو۔ پی۔ حج کمیٹی بروخاست نہیں کی گئی۔ جس سے مرکزی سرکار کی چوہی دھومل ہو رہی ہے۔ ان دونوں حج کمیٹیوں کو فوراً بروخاست کیا جائے۔ نئی کمیٹیاں بنائی جائیں۔ جس میں تجربہ کار دیانندار مصلحتی لچلوت ایثار و قربانی کا جذبہ رکھنے والے لوگ شامل کیے جائیں۔ جلد سے جلد مرکزی حج

کمیٹی بمبئی کو معہ دفتر کے دہلی منتقل کیا جائے۔ اسکا نام سنٹرل حج کمیٹی رکھا جائے۔

استھت حج کمیٹی کی طرح بمبئی حج کمیٹی کی حیثیت مہاراشٹر استھت حج کمیٹی کی ہو۔ وہ صرف سمندری جہازوں اور بمبئی سے پرواز کرنے والے طیاروں کا انتظام سنٹرل حج کمیٹی دہلی کی ہدایت پر کرے۔ استھت حج کمیٹیاں اپنے کوٹہ کے مطابق اپنے استھت میں سمندری جہازوں و یمانوں کا قرعہ اندازی مرکز کے پروگراموں کے مطابق کرے۔ اور اسکی تحریری اطلاع سنٹرل حج کمیٹی دہلی کو دے۔ تاکہ عازمین حجاج کو اپنے جہازوں کا پروگرام پہلے سے معلوم ہو سکے۔

عازمین حجاج کی سہولیت اور بہتر بہار کو کم کرنے کیلئے ہوائی جہازوں کا انتظام جدہ کھلئے بمبئی۔ بنگلور۔ مدراس۔ شری نگر۔ دہلی۔ کلمتہ۔ وارانس۔ یا الہ آباد سے کیا جائے۔

ہندوستان کے حجاج کرام کو سنہ ۱۹۸۸ء کے حج میں ایک نئی دہوازی کا سامنا کرنا پڑا۔ پچھلے سال کا تجربہ بڑا ہی قلعہ رہا۔ دی عرب میں مکان کا کرایہ۔ رہائیاں لیا گیا۔ اور انکو دروازے علاقوں میں مکان دیا گیا۔

ضعیف مرد عورت حاجیوں کو بڑی
مصیبت اور دشواریاں اٹھانی پڑی -
اس سال سعودی حکومت نے مکان
کا کرایہ :

کیتے گئی نمبر ۱ مکہ مکرمہ
بارہ سو ریال - مدینہ منورہ تین سو
ریال کیتے گئی نمبر ۲ مکہ مکرمہ
ایک ہزار ریال - مدینہ منورہ تین
سو ریال یعنی ۱۵ سو سے ۱۳ سو
ریال تقریباً پانچ سے چھ ہزار روپیہ
زائد خرچ کرنا ہوگا - یہ روپیہ کرایہ
قدراقت کے ساتھ الگ قدراقت ملاکر
جمع کرنا ہوگا -

اپ سبھا پتی : آپ ذرا مختصر
بولئے -

شری مہند امین انصاری :
قابل احترام دیپتی چیئرمین صاحبہ -
مرکزی سرکار کو مہر مشورہ ہے
سعودی حکومت سے رابطہ قائم کرے
اور زور دے کہ ہندوستانی حاجیوں
سے لازمی کرایہ مکان سے مستثنی
کرے - ورنہ اندیشہ ہے ہندوستان کے
بہت سے حاجی حج جیسے مقدس
فریضے سے محروم رہ جائیں گے -

عارفین حجاج کہتے پردھان
ملتئی جناب راجیو گاندھی نے اس
سال بھی سمندری جہازوں کا انتظام
کر کے اپنے نیک جذبے کی مثال قائم
کی ہے - میں ان کا شکریہ ادا کرتا

ہوں اور انہیں اسکے لئے مبارکباد
پیش کرتا ہوں -

مجھے پوری افسوس ہے کہ سیکولورم
کے محافظ پردھان ملتئی جناب
راجیو گاندھی جی پروازوں کے
انتظامات کرایہ کی کمی سعودی عرب
میں مکانات کے کرایہ سے ملتی
کرنے میں مدد فرمائیں گے - انکی
طرف ہندوستانی عزمین حجاج کی
نگاہیں لگی ہوں - میں جانتا
ہوں کہ عزت مآب مہند امین شاہ بہد
ساحب حکمران سعودی عرب جناب
راجیو گاندھی جی کا دل سے احترام
کرتے ہیں - خاص طور سے ہندوستانی
حاجیوں سے انکو نماز ہے - شکریہ -

Suspension of operations by Cycle Corporation of India Limited, Asansol

SHRI SUNIL BASU RAY (West
Bengal): Madam, I want to draw
the attention of the Industries
Minister and also the Labour Minis-
ter to the situation arising out of
almost suspension of all operations
by the management of the Cycle
Corporation of India Ltd, at Asansol
Works. The Cycle Corporation of
India Ltd, have one installation at
Asansol and one other at Kalyani in
Nadia and their head office is
situated at Calcutta.

Now, almost four thousand wor-
kers are on the verge of a deep
crisis. They do not know whether
the Factory will run, whether any-
thing will come out of it, because
there is almost nil input in the Fac-
tory, the production is almost sus-
pended and the workers are facing
difficulties in getting their monthly
salary. This month also they had a
lot of trouble, and after much per-